गर्ल फ्रेंड से झगड़ने के बाद की बेकसूर की हत्या

आरोपी युवक को बीड़ी देने से किया था मना

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 26 नवंबर. गौतम थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपनी गर्ल फ्रेंड से हुए झगड़े बाद एक बेकसूर की हत्या कर दी. आरोपी युवक ने बेकसूर व्यक्ति से बीड़ी मांगी, जिसके मना कर देने पर उसने गुस्से में आकर फुटपाथ पर सो रहे एक व्यक्ति की जान ही ले ली.

अंधे कत्ल के मामले में जोन-3 की एडिशनल डीसीपी शालिनी दीक्षित ने पर्दा उठाया. दीक्षित ने बताया कि आरोपी कार्तिक ने अपने दोस्तों के साथ बर्थडे मनाने के पास अब्दु काम्पलेक्स बैरसिया रोड़ ग्रीन पार्क कालोनी मोड़ से जा रहा था. आरोपी और उसकी गर्ल फ्रेण्ड का फोन पर इस बीच विवाद भी हुआ था. आरोपी रास्ते से जा रहा था, जहां फुटपाथ पर उसने मृतक सुरेश कुशवाह से बीड़ी पीने के लिये मांगी. मृतक के बीड़ी देने से मना करने पर कार्तिक नाराज हो गया. सुरेश एक दुकान के सामने जब सोने के लिए चला गया. तभी आरोपी ने बड़ा पत्थर लाकर सुरेश के ऊपर हमला करना शुरू कर दिया.

> मामला सामने आने पर पुलिस ने शव की पहचान करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की. मृतक के पुत्र नीतेश कुशवाह (22) साल निवासी इन्द्रा सहायता नगर ने अपने मृतक अज्ञात पिता सुरेश कुशवाह (45) साल के रुप में की. प्रभारी निरीक्षक महेन्द्र सिंह ठाकुर ने तत्काल ही एक टीम गठित कर घटना स्थल का निरीक्षण किया.

ऐजेऐकेएस को दिया अनावश्यक संरक्षण

विशेष संवाददाता

भोपाल, 26 नवम्बर. मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक ने एक कड़े बयान में आरोप लगाया है कि लगातार आती-जाती सरकारों ने ऐजेऐकेएस संगठन को असाधारण और अनावश्यक संरक्षण दिया है, जो अन्य कर्मचारी संगठनों को कभी नहीं मिला।

इस अत्यधिक पक्षपात ने AJAKS नेतृत्व को इतना निरंकुश बना दिया है कि हाल ही में नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा पदभार ग्रहण करने के कुछ ही मिनट बाद महिलाओं के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। नायक ने अपने आरोपों के समर्थन में कई उदाहरण भी दिए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2008-09 में मंत्रालय के आरक्षण वाले पदों के लिए व्यापम द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में 25 उम्मीदवारों ने तीनों प्रश्नपत्रों में शून्य अंक प्राप्त किए थे। नियमों के अनुसार ऐसे उम्मीदवार अयोग्य थे.

> हाल ही में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सरकारी प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए अधिकारी के रूप में नहीं बल्कि AJAKS अध्यक्ष के रूप में बोलते हुए आरक्षण बढ़ाने की माँग रखी। दो अन्य वरिष्ठ आरक्षित वर्ग के अधिकारियों ने भी उनका समर्थन किया। नायक के अनुसार, इस प्रोटोकॉल उल्लंघन पर भी कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई। इसके अलावा, उन्होंने सरकार के नए पदोन्नति नियमों की आलोचना की, जिनमें प्रत्येक विभागीय पदोन्नति समिति में आरक्षित वर्ग के अधिकारियों की अनिवार्य मौजूदगी का प्रावधान है।

एक नजर में

जहांगीराबाद पुलिस ने की बदमाशों की धरपकड़

भोपाल. जहांगीराबाद थाना पुलिस ने स्थाई वारंट में फरार वारंटी और सक्रिय निगरानी में गुण्डे और बदमाशों की धरपकड की कार्यवाही की. थाना के सूचीबद्ध गुण्डा निगरानी बदमाशो को थाना पर बुलाकर परेड कराई गई. जिसमें एक दर्जन से अधिक बदमाश शामिल हुए. थाना क्षेत्र में रात्री में गुण्डा गर्दी कर शांति व्यवस्था भंग करने वाले आधादर्जन गुण्डे, बदमाशो के विरूध्द कार्यवाही की. बदमाशों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी कोर्ट में पेश किया. मुताबिक थाना से स्थाई वारंट में फरार चल रहे आरोपी नीतेश भगवानिया निवासी वाल्मिकी कॉलोनी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया.

चाकू से हमला करने वाले आरोपी गिरफ्तार

भोपाल. हनुमानगंज थाना पुलिस ने एक युवक पर चाकूबाजी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया. आरोपियों के पास से मिले चाकू को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है. पुलिस शहर में अपराधों पर नियंत्रण रखने के लिए लगातार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है. थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को फरियादी इरफान कुरैशी (32) निवासी गौतम नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी. इरफान ने पुलिस को बताया कि रात में रईस, उमर और फारूख नाम के आरोपियों ने उसके साथ चाकू से हाथ और पैरों में हमला किया, जिससे पीडित को गंभीर चोटें आई.

ड्रग्स तस्करी के मामले में क्राइम ब्रांच पहुंचा मोनिस

भोपाल. ड्रग्स तस्करी के मामले में जमानत पर रिहा मोनिस खान बुधवार को क्राइम ब्रांच पहुंचा. अपने वकीलों के साथ अधिकारियों के पास पहुंचे मोनिस ने कागजी कार्रवाई को पूरा किया. मोनिस को ड्रग्स तस्करी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी है. मोनिस का नाम ड्रग्स तस्करी के मामले में गिरफ्तार आरोपी आशु ने लिया था. इसके बाद मोनिस के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की. ोनिस ने तस्करी मामले में अपना नाम आने की बात को पूरा तरह से नाकारा है. उसने अपनी जानकारी में यह बताया है कि वह अपना व्यवसाय चलाता है.

ओपन स्कूल का पाठ्यक्रम होगा अपडेट

भोपाल,26 नवम्बर. मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड (एमपीएसओएस) और एजुकेट गर्ल्स द्वारा संयुक्त रूप से भोपाल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं एवं पाठ्यक्रम की व्यापक समीक्षा करना था.

इस कार्यशाला में मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के संचालक रविन्द्र कुमार सिंह सम्मिलित रहे, उनके साथ अकादमिक शाखा से सहायक संचालक सच्चिदानंद प्रसाद, परीक्षा शाखा से सहायक संचालक राम वैद्य, तथा ई.एफ.ए. विद्यालय से सहायक संचालक रमाकांत तिवारी भी उपस्थित रहे.

लंबे समय से पाठ्यक्रम अपडेट नहीं हुआ

एमपीएसओएस के डायरेक्टर रविंद्र कुमार सिंह ने पाठ्यक्रम अपडेट करने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए. उन्होंने कहा कि लंबे समय से पाठ्यक्रम अपडेट नहीं हुआ है, और अब समय आ गया है कि हम स्कूल ड्रॉप आउट बच्चों के बारे में सोचते हुए पाठ्यक्रम को अपडेट करें. एजुकेट गर्ल्स गैर लाभकारी संस्था के कंटेंट डेवलपमेंट लीड अरविंद कुमार जी ने कंटेंट को सरलीकरण करने के महत्व पर प्रकाश डाला.

एसआईआर पर अजय सिंह ने उठाए सवाल

विशेष संवाददाता

भोपाल,26 नवम्बर. मध्य प्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने राज्य में जारी एसआईआर (स्पेशल आइडेंटिफिकेशन एंड रिवीजन) प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर संदेह व्यक्त किया है.

उन्होंने आरोप लगाया कि जन अभियान परिषद और अन्य बाहरी संगठनों से जुड़े लोगों की बीएलओ सहायक के रूप में नियुक्ति पूरी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है. सिंह ने निर्वाचन आयोग से मांग की है कि राजनीतिक रूप से जुड़े बाहरी व्यक्तियों की नियुक्तियों को तत्काल रद्द किया जाए, ताकि एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी और संदेह से परे रह सके.

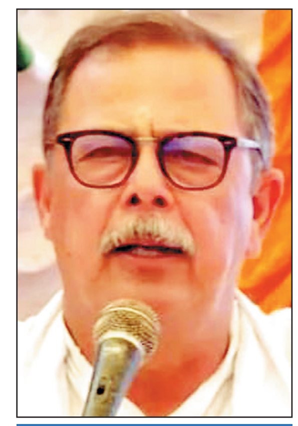

बाहरी व्यक्तियों की नियुक्तियों को तत्काल रद्द हो

मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों के राहुल ने पहले संकेत किया

> जिला कांग्रेस की शिकायत के बाद कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े ने पूरी सूची रद्द कर दी और जन अभियान परिषद के जिला व ब्लॉक समन्वयकों को, जिन्होंने पचास लोगों की सूची दी थी, नोटिस जारी किए गए. उन्होंने याद दिलाया कि 2018 के विधानसभा चुनावों में भी जन अभियान परिषद—जो एक अर्द्ध-शासकीय संस्था है—के सदस्य खुले तौर पर सत्तारूढ़ दल के पक्ष में सक्रिय थे. तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की शिकायत पर चुनाव आयोग को हस्तक्षेप करना पड़ा था. सिंह ने चेतावनी दी कि वही प्रवृत्ति एक बार फिर दिखाई दे रही है और चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को जन अभियान परिषद की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी और नियंत्रण सुनिश्चित करना चाहिए.

उन्होंने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से भी जिला निर्वाचन अधिकारियों को ऐसे सभी लोगों को तुरंत हटाने के निर्देश देने का आग्रह किया है.

अजय सिंह ने कहा कि मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों के जिन प्रमाणों की ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहले संकेत किया था, वे अब मध्य प्रदेश में भी सामने आने लगे हैं. दतिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि वहां भाजपा कार्यकर्ताओं को बीएलओ सहायकों के रूप में नियुक्त कर चार मतदान केंद्रों पर तैनात किया गया था.

एनएसयूआई ने वीआईटी विवि पर कार्रवाई की मांग की

विशेष संवाददाता

भोपाल, 26 नवंबर. नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने सीहोर स्थित वीआईटी विश्वविद्यालय में लगातार सामने आ रही गंभीर अव्यवस्थाओं को लेकर प्राइवेट यूनिवर्सिटी रेगुलेटरी कमीशन से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इन शिकायतों में छात्रावासों में कुप्रबंधन, दूषित भोजन से बड़ी संख्या में छात्रों के बीमार होने, प्रशासनिक लापरवाही, धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप, पानी की समस्या और अवैध शुल्क वसूली जैसे मुद्दे शामिल हैं। बुधवार को एनएसयूआई के राज्य उपाध्यक्ष रवि परमार और जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कमीशन के अध्यक्ष खेमा सिंह डेहरिया से मुलाकात कर विस्तृत प्रतिवेदन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने विश्व विद्यालय प्रशासन की बार-बार सामने आने वाली लापरवाहियों का उल्लेख करते हुए तत्काल जांच समिति के गठन और कानूनी कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में लक्की चौबे, अमित हटीया, धीरज वर्मा, नितिन तोमर, अभय रामभक्त और राजवीर सिंह शामिल थे। कमीशन अध्यक्ष डेहरिया ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र ही जांच समिति गठित की जाएगी।

> मुख्य शिकायतों में छात्रावासों में परोसे गए अस्वच्छ भोजन से दर्जनों छात्रों के अस्पताल में भर्ती होने और विरोध करने वाले छात्रों को दबाने के प्रयासों का मुद्दा प्रमुख रहा। प्रतिनिधिमंडल ने पहले से लंबित मामलों—जैसे छात्रों को हनुमान चालीसा पढ़ने से रोकना, छात्रावासों में पानी का गंभीर संकट और उपस्थिति के नाम पर अवैध फीस वसूली—को भी उठाया। एनएसयूआई ने बताया कि लगातार अव्यवस्था के कारण स्थानीय छात्रों और अभिभावकों में भय का माहौल बढ़ रहा है।

अवनीश भार्गव ने संभाला पदभार

विशेष संवाददाता

भोपाल, 26 नवंबर. प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, इंदिरा भवन में बुधवार को आयोजित एक गरिमामयी समारोह में मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल के नवनियुक्त प्रदेश मुख्य संगठक (अध्यक्ष) अवनीश भार्गव ने औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया।

यह कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की उपस्थिति में संपन्न हुआ. समारोह में कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। प्रमुख रूप से उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, विधायक आरिफ मसूद, एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी, संगठन महामंत्री संजय कामले, प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र जोशी, पूर्व प्रदेश मुख्य संगठक योगेश यादव, प्रदेश महासचिव श्री शैलेन्द्र पटेल तथा भोपाल ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनोखी पटेल सहित अन्य पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

80 फीसदी डिजिटलाइजेशन का प्रदेश में काम पूरा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 26 नवंबर. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र संजीव कुमार झा ने बताया कि प्रदेश में गणना पत्रकों के डिजिटलाइजेशन का कार्य तेज गति से जारी है.

बुधवार अपराह्न तक 4 करोड़ 39 लाख से अधिक गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन पूरा हो चुका है, जो कुल कार्य का लगभग 80 प्रतिशत है. झा ने बताया कि प्रदेश के 7 जिलों ने 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. इन जिलों में— अशोकनगर -96 फीसदी, बैतूल-93 फीसदी , सीहोर-92.5 फीसदी, सीधी-90.6 फीसदी, शाजापुर - 90.5फीसदी, नीमच - 90.14फीसदी, मंदसौर/ नीमच - 90.1 फीसदी.

इसके अलावा प्रदेश के 45 जिलों में 73 फीसदी से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है. सीईओ झा ने डिजिटलाइजेशन में लगे सभी शासकीय सेवकों, बीएलओ तथा सहयोगी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने आशा व्यक्त की कि शत-प्रतिशत कार्य इसी सप्ताह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा.

फोन पर ब्लैकमेल हुए बुजुर्ग अधिवक्ता ने दी जान

भोपाल. शहर के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग अधिवक्ता ने ब्लैक मेलिंग का शिकार होते हुए अपनी जान ले ली. फांसी के फंदे पर झूले बुजुर्ग को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया था. इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. बुजुर्ग के पास मिले सुसाइड़ नोट के आधार पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. इलाके में रहने वाले 68 वर्षीय शिवकुमार वर्मा वरिष्ठ वकील थे. वर्मा ने लगातार अपनी प्रैक्टिस जारी रखे हुए थे. मंगलवार को देर शाम शिवकुमार ने अपने घर के अंदर ही फांसी लगा ली. पुलिस ने मृतक के पास से मिले सुसाइड़ नोट से यह कयास लगाया है कि वह डिजिटल अरेस्ट का शिकार हुए होंगे.

सनातन मिशन ने आपत्तिजनक बयान की निंदा की

विशेष संवाददाता

भोपाल, 26 नवंबर. सनातन मिशन ने वरिष्ठ आईऐएस अधिकारी और मध्यप्रदेश एससी-एसटी अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संतोष वर्मा द्वारा 23 नवंबर को संगठन के राज्य सम्मेलन में दिए गए विवादित बयान की कड़ी निंदा की है।

कार्यक्रम के दौरान दिए गए बयान का एक वीडियो व्यापक रूप से प्रसारित हुआ, जिसमें वर्मा यह कहते हुए सुनाई देते हैं कि जाति आधारित आरक्षण तब तक जारी रहना चाहिए जब तक कोई ब्राह्मण अपनी बेटी किसी एससी-एसटी युवक को न दे दे या तब तक जब तक ऐसा कोई संबंध न बन जाए। मिशन ने कहा कि एक पदस्थ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी द्वारा सार्वजनिक मंच से ऐसे वक्तव्य देना न केवल सार्वजनिक संवाद की गरिमा में गिरावट है, बल्कि महिलाओं को वस्तु की तरह प्रस्तुत करने का स्पष्ट उदाहरण भी है।

संभावित कानूनी उल्लंघन

मिशन के अनुसार, वर्मा के बयान प्रथम दृष्टया भारतीय न्याय संहिता की निम्नलिखित धाराओं के अंतर्गत आते प्रतीत होते हैं

* **धारा 197** – राष्ट्रीय एकता को क्षति पहुँचाने वाले कृत्य
* **धारा 353**– विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच वैमनस्य उत्पन्न करना
* **धारा 326** – महिलाओं की गरिमा का अपमान, अशोभनीय या अपमानजनक अभिव्यक्ति

मिशन की माँगें

सनातन मिशन ने अपनी चार प्रमुख माँगें रखी हैं.

1. संतोष वर्मा के विरुद्ध तत्काल विभागीय जांच प्रारंभ की जाए।
2. जांच लंबित रहने तक अधिकारी को निलंबित किया जाए।
3. संबंधित कानूनी धाराओं के तहत संभावित आपराधिक दायित्व की जाँच की जाए।
4. अधिकारी सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण दें और जवाबदेही सुनिश्चित करें।

मांग ब्राहामण समाज ने की कार्रवाई की मांग

आईएएस वर्मा के खिलाफ कोलार थाने में शिकायत

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 26 नवंबर. आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ बुधवार को कोलार थाने में शिकायत आवेदन दिया गया. भोपाल में ब्राहामण महासभा की कोलार इकाई ने संतोष वर्मा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है.

इस अवसर पर अखंड ब्राह्मण सेवा समिति (भारतवर्ष) के प्रदेश संगठन महामंत्री उमेश शर्मा ने थाना प्रभारी संजय सोनी से मांग की है कि अधिकारी वर्मा के खिलाफ एक्शन लिया जाए. उमेश शर्मा ने मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग की है कि ऐसे अधिकारियों की टिप्पणी से ब्राह्मण समाज आक्रोशित है. उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार संतोष वर्मा को उनके कार्यभार से मुक्त करे. बेटियों को लेकर वर्मा ने जो शब्द बोले हैं वह माफी के हकदार भी नहीं है. ब्राह्मण समाज की मांग पर कोलार थाना प्रभारी ने मामले में जांच कराने और कार्रवाई को आगे बढाने का आश्वसन दिया है. इस मौके पर ब्राह्मण समाज में संभाग अध्यक्ष केके द्विवेदी, महिला प्रकोष्ठ की सुमित्रा शुक्ला, जितेंद्र मिश्रा, भैयालाल द्विवेदी, जे पी मिश्र, रमापति शर्मा, केके मिश्र, संकटमोचन मिश्र, संतमणि शर्मा के साथ समाज के लोग बड़ी संख्या में कोलार थाने पहुंचकर पुलिस प्रशासन से संतोष वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की.

> सुमित्रा शुक्ला ने कहा कि विगत दिनों आईएएस सन्तोष वर्मा द्वारा दिए गए मूर्खतापूर्ण वकतव्य के विरोध में लोगों में गुस्सा है. पुलिस थाना कोलार में थाना प्रभारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया. उन्होंने कहा कि ब्राह्मण महासभा सदस्यों ने यह मांग भी की है कि यदि संतोष वर्मा के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की गई, तो यह आंदोलन और उग्र रूप धारण कर सकता है. इसकी जवाबदेही मप्र शासन की होगी.

रेलवे बोर्ड मुख्यालय में मना संविधान दिवस

भोपाल, 26 नवंबर. संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को रेल भवन स्थित रेलवे बोर्ड मुख्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. समारोह में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया.

कार्यक्रम सुबह 11 बजे बोर्ड के सम्मेलन कक्ष में हुआ, जहां सभी उपस्थित कार्मिकों ने संविधान के आदर्शों को आत्मसात करने तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प दोहराया. रेलवे बोर्ड द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, संविधान दिवस को डिजिटल माध्यम से मनाने पर भी विशेष जोर दिया गया. अधिकारियों और कर्मचारियों को MyGov.in तथा constitution|z.com पर उपलब्ध ‘संवैधानिक लोकतंत्र’ विषयक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया. साथ ही उद्देशिका का ऑनलाइन वाचन कर प्रमाण-पत्र प्राप्त करने का भी आह्वान किया गया. 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को औपचारिक रूप से अंगीकार किया था. इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है. रेलवे बोर्ड का यह आयोजन भारतीय रेलवे की लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संवैधानिक आदर्शों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है.